Hargharpanditji

"PUJA ON YOUR SCREEN, BLESSINGS AT YOUR DOOR"

॥ सकट चौथ पूजाविधि ॥

॥ ॐ गं गणपतये नमः ॥

Full Disclaimer

This book is for educational, inspirational, and cultural purposes only. The remedies, rituals, affirmations, breathing methods, and spiritual practices described are based on traditional beliefs, historical customs, and personal development principles. They are not guaranteed solutions.

This book does not replace advice from licensed doctors, psychologists, financial advisors, lawyers, or other qualified professionals. If you have medical symptoms, mental health concerns, legal matters, or financial risk, seek professional help.

Use all remedies responsibly, ethically, peacefully, and according to local law. Do not use fire, herbs, fasting, incense, or physical practices in unsafe ways. The author and publisher are not liable for misuse.

Results in life depend on effort, discipline, timing, environment, skill, and many other factors. No spiritual method guarantees money, marriage, success, healing, or protection.

Hargharpanditji
"PUJA ON YOUR SCREEN, BLESSINGS AT YOUR DOOR"

॥ व्रत और पूजा की तैयारी ॥

सकट चौथ उत्तर भारत में माघ कृष्ण चतुर्थी की संकष्टी चतुर्थी के रूप में मनाई जाती है। व्रत की तारीख चंद्रोदय पर चतुर्थी तिथि के रहने से जुड़ी है; इसलिए अपने शहर का पंचांग और चंद्रोदय समय देखें।

सुबह का संकल्प

स्नान करके स्वच्छ वस्त्र पहनें। गणेशजी और सकट माता का स्मरण कर परिवार तथा बच्चों के मंगल की प्रार्थना करें। फलाहार, जल और भोजन का नियम अपनी सेहत तथा घरेलू परंपरा के अनुसार तय करें।

सामान्य सामग्री

गणेशजी का चित्र या प्रतिमा, घर की रीति हो तो सकट माता का चित्र, स्वच्छ जल, दूर्वा, फूल, अक्षत, रोली या चंदन, धूप, दीपक, तिलकुट या तिल-गुड़ का प्रसाद और चंद्र अर्घ्य के लिए लोटा रखें।

पूजा स्थान साफ रखें। दीपक सुरक्षित जगह रखें। निर्जल उपवास सभी के लिए अनिवार्य न मानें; अस्वस्थता में आवश्यक आहार और पानी लें।

Hargharpanditji
"PUJA ON YOUR SCREEN, BLESSINGS AT YOUR DOOR"

॥ शाम की पूजा और चंद्र अर्घ्य ॥

१. गणेशजी का पूजन

शाम को गणेशजी का ध्यान करें। चित्र के सामने जल का प्रतीकात्मक अर्पण करें; चित्र पर जल न डालें। रोली या चंदन, अक्षत, फूल और दूर्वा चढ़ाएँ। धूप-दीप दिखाएँ और तिलकुट का प्रसाद अर्पित करें।

२. सकट माता और कथा

घर की परंपरा में सकट माता का पूजन हो तो उन्हें भी प्रणाम करके प्रसाद अर्पित करें। सकट चौथ की कथा पढ़ें या सुनें, फिर गणेश आरती करें। परिवार के सभी लोगों के स्वास्थ्य और सुरक्षा की प्रार्थना करें।

३. चंद्र अर्घ्य और पारण

स्थानीय चंद्रोदय के बाद सुरक्षित खुली जगह से चंद्रमा को स्वच्छ जल का अर्घ्य दें। गणेशजी को प्रणाम करें और घर की रीति के अनुसार प्रसाद तथा हल्का सात्त्विक भोजन लेकर व्रत खोलें। बादल हों तो स्थानीय समय देखकर घर की परंपरा के अनुसार प्रार्थना करें।

गर्भावस्था, मधुमेह, बीमारी या नियमित दवाओं में देर तक भोजन-पानी रोकना जोखिमपूर्ण हो सकता है। उपचार और दवाएँ जारी रखें तथा जरूरत पड़ने पर व्रत पहले खोलें।

॥ ॐ गं गणपतये नमः ॥